सतीश प्रधान ध्यान साधना कॉलेज ऑफ आर्ट्स साइंस एंड कॉमर्स थाणे के विद्यार्थियों का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान संस्थान भ्रमण

दिनांक 24 जनवरी, 2017 को सतीश प्रधान ध्यान साधना कॉलेज ऑफ आर्ट्स साइंस एंड कॉमर्स थाणे के वनस्पति विभाग के बी.एस.सी द्वितीय एवं तृतीय वर्ष और एम.एस.सी (बॉटनी) के 31 विद्यार्थियों ने शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का अध्ययन भ्रमण कर वानिकी अनुसंधान संबन्धित विभिन्न विषयों की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के प्रारम्भ में दल ने संस्थान की प्रायोगिक एवं उच्च तकनीक पौधशाला प्रबंधन की विभिन्न प्रक्रियाओं तथा उच्च तकनीक पौधशाला की बारीकियों को समझा। भ्रमणकारी दल को मदर बेड, रूट ट्रेनर, धुंध कक्ष, कंपोस्टिंग इत्यादि की जानकारी कराई गयी । विद्यार्थियों ने पौधशाला परिसर स्थित औषधीय उद्यान का अवलोकन कर विभिन्न प्रकार के औषधीय पादपों की जानकारी प्राप्त की। कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने उक्त भ्रमण के दौरान पौधशाला प्रबंधन से संबन्धित विभिन्न पहलुओं की जानकारी उपलब्ध करायी तथा औषधीय उद्यान का भ्रमण करवाकर औषधीय पादपों के बारे में बताया।

इसके बाद विद्यार्थियों ने उत्तक संवर्धन, जल एवं मृदा परीक्षण, वन संरक्षण प्रभाग में वृक्षों के रोगों से संबन्धित अनुसंधान तथा अकाष्ठ वनोपाज़ प्रभाग में विभिन्न अनुसंधान से संबन्धित विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण करते हुए अनुसंधान कार्यों का बारीकी एवं गहनता से अवलोकन किया। इन प्रयोगशालाओं इत्यादि के भ्रमण के दौरान संस्थान के विभिन्न शोधकर्ताओं ने इन विषयों से संबंधित जानकारी भ्रमणकारी दल को दी।

श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान एवं संस्थान की शोध संबंधी गतिविधियों, तकनीक एवं उपलब्धियों की जानकारी विद्यार्थियों को करायी।

तत्पश्चात भ्रमणकारी दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया। श्री चौधरी ने केंद्र पर प्रदर्शित अवक्रमित पहाड़ियों का पुनःस्थापन (Restoration of degraded hills), टिब्बा स्थिरीकरण (Sand Dune Stabilization), जल प्लावित भूमि का पुनःस्थापन (Restoration of Water Logged Areas), कृषि वानिकी इत्यादि विषयों से संबन्धित जानकारी उपलब्ध करायी तथा भ्रमणकारी दल को वृक्षों से होने वाले प्रत्यक्ष एवं परोक्ष लाभों की जानकारी दी तथा पॉलीथीन के दुष्प्रभावों का जिक्र किया।

भ्रमण कार्यक्रम का समन्वयन श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने किया। भ्रमण कार्यक्रम में श्री तेजाराम का विशेष सहयोग रहा।

Compost Unit
घास एवम पत्तियो के द्वारा कम्पोस्ट
यूनिट में कम्पोस्ट खाद बनाना

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान